पी. जी. डी. आई. बी. ओ.

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. आई. बी. ओ.)

सत्रीय कार्य

(आई.बी.ओ.–01 से आई.बी.ओ.–06 तक)

2016–17

जनवरी 2016 तथा जुलाई 2016 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य 2016–17

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2016 और जुलाई 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2016** में पंजीकृत हैं उनकी वैधता **दिसंबर 2016** तक है।

2. जो **जुलाई 2016** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2017** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ. – 01
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. 01/टी.एम.ए./2016–17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) भुगतान शेष के चालू खाता और पूंजी खाता में अंतर ज्ञात कीजिए।

   (ख) भुगतान शेष को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

(10+10)

2. (क) "एफ. डी. आई. मेजबान देश की आर्थिक दर बढ़ाने में सहायता करता है"। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

   (ख) भारत में एफ. डी. आई. के वर्तमान प्रवृत्ति का उल्लेख कीजिए।

(10+10)

3. अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक कोष के उद्देश्य एवं कार्य कौन–कौन से हैं? आइ. एम. एफ. द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का वर्णन कीजिए।

(8+12)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

   (क) "अवैध समझौता और गैर कानूनी समझौता मे कोई अंतर नहीं है"।
   (ख) "एक विक्रेता अपने आप से बेहतर हकनामें नहीं दे सकता"।
   (ग) "अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मतभेदों को निपटाने हेतु व्यापारियों द्वारा विवाचन को प्राथमिकता दी जाती है"।
   (घ) "ग्रे विपणन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अच्छा नहीं है"।

(5×4)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

   (क) अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का विधिक परिवेश
   (ख) स्थानान्तरण मूल्य
   (ग) क्षेत्रीय विकास बैंक
   (घ) बेसल कन्वेंशन

(5×4)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 02
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-02 / टी.एम.ए. / 2016–17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अन्तर्राष्ट्रीय विपणन के लिए ब्राण्डिंग रणनीतियां कैसे बनाई जाती हैं? विभिन्न ब्राण्डिंग रणनीतियों के लाभ एवं हानि का मूल्यांकन करें। भारतीय ब्राण्ड्स के प्रयोग के कार्यक्षेत्र की भी विवेचना करें।

(8+8+4)

2. (क) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्प्रेषण के उद्देश्य क्या हैं?
   (ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्प्रेषण में नीहित मुख्य मुद्दों की विवेचना करें।

(10+10)

3. निम्नलिखित में भेद कीजिए:
   (क) प्रवेशन मूल्य निर्धारण एवं स्किमिंग मूल्य निर्धारण
   (ख) सीमांत मूल्य निर्धारण एवं विभेदी मूल्य निर्धारण
   (ग) घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्प्रेषण
   (घ) घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय विपणन नियोजन

(5×4)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए:
   (क) ई. पी. आर. जी. स्थिति निर्धा ण
   (ख) अन्तर्राष्ट्रीय उत्पाद जीवन चक्र
   (ग) विपणन सम्प्रेषण
   (घ) प्राथमिक डेटा को एकत्र करने की प्रेक्षण विधि

(5×4)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:
   (क) "उच्च तकनीक स्थिति एवं उच्च स्तरीय स्थिति में कोई भेद नहीं है"।
   (ख) "अन्तर्राष्ट्रीय विपणन के लिए इंट्रानेट एवं इंटरनेट लाभदायक नहीं हैं"।
   (ग) "अधिकांश सांख्यिकीय विश्लेषण प्राथमिक डेटा पर आधारित नहीं होते हैं"।
   (घ) "डेटा विश्लेषण विपणन व्यवस्थापक की समस्या सुलझाने के लिए उचित कार्यवाही करने में सहायता नहीं करता"।

(5×4)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी.ओ. – 03
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	भारत का विदेश व्यापार
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.03 / टी.एम.ए. / 2016–17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. भुगतान शेष से आपका क्या अभिप्राय है? भारत के भुगतान शेष की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? भारत के विपरीत भुगतान शेष के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए। भारत में भुगतान शेष को सुधारने हेतु आप क्या उपाय करेंगे?

(3+5+6+6)

2. क्या निर्यात संवर्धन हेतु अभी तक प्रारम्भ किये गए उपाय संतोषजनक हैं? यदि नहीं तो कौन सी प्रमुख बाधाएं रही हैं तथा इनमें किन सुधारों की आवश्यकता है जिससे विदेशी व्यापार क्षेत्र पर अधिक अच्छा प्रभाव हो?

(5+15)

3. भारत से निर्यात होने वाले विभिन्न कृषि उत्पाद कौन से हैं? सरकार द्वारा भारत से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने हेतु किये जाने वाले उपायों की विवेचना करें। भारत से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए आप क्या कार्यनीति सुझाएंगे?

(5+8+7)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

(क) "आधारभूत संरचना संबंधी बाधाएं प्रभावशाली निर्यात संवर्धन की प्रमुख बाधाओं में से एक हैं"।
(ख) "भारतीय कृषि उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं हैं"।
(ग) "विश्व रसायन उद्योग में उत्तरी अमेरिका की प्रभुत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है"।
(घ) "भारत एक पूंजी की कमी वाला देश नहीं है"।

(5×4)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिये:

(क) भारत – संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व्यापार
(ख) विशेष आर्थिक क्षेत्र
(ग) भारतीय निर्यात क्षेत्र की प्रमुख बाधाएं
(घ) चमड़ा उद्योग में भारत के प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ

(5×4)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 04
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. 04/टी.एम.ए./2016–17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ई. डी. आई. प्रणाली के मूल घटक क्या हैं? अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए ई डी आई क्यों आवश्यक है? ई. डी. आई. की व्यावसायिक विधियों की व्याख्या कीजिए।

(4+4+12)

2. निम्नलिखित में भेद कीजिए:

(क) "पोत परिवहन के लिए प्राप्त जहाजी बिल्टी" तथा "पोत लदान पर जहाजी बिल्टी"
(ख) "निर्बंध जहाजी बिल्टी" एवं "वाक्यांश जहाजी बिल्टी"
(ग) बीमा पॉलिसी एवं बीमा प्रमाण पत्र
(घ) वाणिज्य दूतीय बीजक एवं सीमा शुल्क बीजक

(5×4)

3. निर्यात राशि की वसूली के लिए निर्यातकर्ता को कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? उन्हें सुरक्षा के क्रम में अनुसूचित करें तथा प्रत्येक विकल्प में निहित जोखिमों का उल्लेख करें।

(6+4+10)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

(क) "लाइनर जहाजी सेवा सजातीय वस्तुओं के परिवहन के लिए उपयुक्त नहीं है"।
(ख) "जहाजी माल बीमा माल की हानि के लिए संरक्षण प्रदान नहीं करता है"।
(ग) "बंदरगाह संबंधी औपचारिकताओं को पूरा किए बिना ही माल को पोत लदान शेड में नहीं लाया जा सकता"।
(घ) "सीमा शुल्क प्राधिकारियों के आदेश के खिलाफ सीमा शुल्क कमिश्नरों को अपील नहीं की जा सकती है"।

(5×4)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:

(क) भारतीय विवाचन परिषद
(ख) स्टार निर्यात प्रतिष्ठान
(ग) शुल्क–मुक्त योजनाएं
(घ) आयकर में छूट

(5×4)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ. – 05
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अन्तर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. – 05/टी.एम.ए./2016 –17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लाइनर भाड़ा दरों को प्रभावित करने वाले आधारभूत सिद्धांतों और कारकों की चर्चा कीजिए। साथ ही ब्रेक बल्क कार्गो के संबंध में भुगतान की जाने वाली अन्तिम भाड़े को निकालने के लिए आधार भाड़ा दर में जोड़े जाने वाले विभिन्न तत्वों का विशेष उल्लेख कीजिए।

(20)

2. वर्गीकरण सर्वेक्षण, पंजीकरण सर्वेक्षण और बीमा करने वालों द्वारा सर्वेक्षण के बीच अन्तर को बताइये और वर्गीकरण संस्था द्वारा जहाज पर किये जाने वाले मुख्य जांचों का नाम बताइए।

(20)

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।

(क) "कोई फर्म अपनी अच्छी सेवाओं और सस्ते दाम पर वस्तु को उपलब्ध करा कर आकर्षित कर सकता है"।

(ख) "टैंक कन्टेनर का प्रयोग शुष्क बल्क कार्गो के लिये होता है"।

(ग) "वाणिज्य के रूप में "लदान बिल" एक परकन्य प्रपत्र है"।

(घ) "समुद्रपार के कार्गो को केवल बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया–उतारा जाता है"।

(5×4)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइए।

(क) चार्टर पार्टी और लदान बिल

(ख) भार टन और गणना टन

(ग) घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स

(घ) कुल लागत अवधारणा तथा कुल प्रणाली अवधारणा

(5×4)

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :

(क) संयुक्त उपक्रम

(ख) ABC विश्लेषण

(ग) निर्यात आर्डर

(घ) लॉजिस्टिक में सूचना प्रणाली

(5×4)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी. ओ. – 06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. 06 / टी.एम.ए. / 2016–17
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) ब्रेटन वुड्स प्रणाली के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली को यू. एस. भुगतान शेष की स्थिति ने कैसे प्रभावित किया?

   (ख) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य कार्यों की व्याख्या कीजिए।

   (10+10)

2. (क) विदेशी विनिमय बाजार में मुख्य पक्षकार कौन से है। उनके कार्यों का वर्णन कीजिए।

   (ख) केन्द्रिय बैंक विदेशी विनिमय बाजार में लोचपूर्ण विनिमय प्रणाली के अंतर्गत क्यों अक्सर हस्तक्षेप करते हैं?

   (10+10)

3. (क) लेन–देन एक्सपोजर, रूपांतरण एक्सपोजर तथा आर्थिक एक्सपोजर का वर्णन कीजिए। किस एक्सपोजर का प्रबंध करना बहुत सरल है और किस का बहुत कठिन। कारण दीजिए।

   (ख) वायदा बाजार हेज और मुद्रा बाजार हेज में (क) लागत (ख) सरलता और (ग) प्रभावशीलता के आधार पर भेद कीजिए।

   (10+10)

4. साख पत्र क्या होता है? इसके उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। यह कितने प्रकार का होता है?

   (4+6+10)

5. निम्नलिखित पर नोट लिखिये:

   (क) विदेशी सब्सिडियरी पूंजी संरचना

   (ख) अंतर्राष्ट्रीय ऋण प्रपत्र

   (10+10)